

प्रेस विज्ञप्ति

प्रो. जोन डब्ल्यू. स्कॉट ने जामिया की विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला में सरोजिनी नायडू सेंटर फॉर विमेन्स स्टडीज़ में लेक्चर दिया

नई दिल्ली, 24 नवंबर, 2025

अपनी विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला के क्रम में, सरोजिनी नायडू सेंटर फॉर विमेन्स स्टडीज़ (SNCWS), जामिया मिल्लिया इस्लामिया (JMI) ने मशहूर स्कॉलर प्रो. जोन स्कॉट, प्रोफेसर एमेरिता, इंस्टिट्यूट ऑफ़ एडवांस्ड स्टडी, प्रिंसटन, न्यू जर्सी को एक ऑनलाइन लेक्चर के लिए होस्ट किया, जिसका टाइटल था, 'जेंडर बैकलैश: जेंडर एज़ ए यूज़फुल कैटेगरी ऑफ़ एनालिसिस (फॉर हिस्टोरियंस एंड अदर्स)।' अलग-अलग देशों और यूनिवर्सिटीज़ के स्कॉलर लेक्चर में शामिल हुए और इसके बाद हुई चर्चा में भी जोश के साथ हिस्सा लिया।

इवेंट की शुरुआत खास लेक्चर सीरीज़ की कोऑर्डिनेटर डॉ. अमीना हुसैन के स्वागत वक्तव्य से हुई, जिसके बाद SNCWS की मानद निदेशक प्रो. निशात ज़ैदी ने स्पीकर का परिचय दिया। लेक्चर की शुरुआत प्रो. स्कॉट के 40 साल पहले पब्लिश हुए ऐतिहासिक एनालिसिस के टूल के तौर पर जेंडर पर उनके बड़े आर्टिकल के आउटलाइन से हुई। पॉलिटिक्स और जेंडर के बीच के कोरिलेशन पर अक्सर जोर दिया गया, साथ ही जेंडर, सेक्स और सेक्सुअलिटी पर एकेडमिक जांच के खिलाफ हाल के बैकलैश पर भी जोर दिया गया। जेंडर बाइनरी को फिर से स्वीकार करने के लिए एडमिनिस्ट्रेटिव दबाव और आज के तानाशाही शासन के तहत हाइपर-मैस्कुलिनाइज़ेशन की एस्पिरेशन का एक क्रिटिकल और थ्योरेटिकल अप्रोच से एनालिसिस किया गया।

इस इनसाइटफुल सेशन के बाद प्रो. निशात ज़ैदी के आखिरी कमेंट्स और SNCWS की स्कॉलर प्रीति मौर्य द्वारा मॉडरेट किया गया एक दिलचस्प प्रश्नोत्तर सत्र हुआ। ऑडियंस के सवाल- ट्रांसजेंडर की ज़िंदगी पर खतरे, एकेडेमिया में सब्जेक्टिविटी, जेंडर का पॉलिटिकल कंस्ट्रक्शन और फेमिनिस्ट मूवमेंट में आजकल के डेवलपमेंट- जैसे टॉपिक पर थे। लेक्चर ऑफिशियली डॉ. अमीना हुसैन के धन्यवाद ज्ञापन और सेंटर के मकसद के साथ खत्म हुआ, जिसमें जेंडर डिस्कशन के साथ क्रिटिकल एंगेजमेंट के लिए जगह बनाना जारी रखने की बात कही गई।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी